

2

**LL.B. (First Year) (Ist and Vth Semester of
LL.B. Five-Year Integrated Course)
Examination, 2012-13
(Old and New Course)**

Paper-II

Law of Torts and Consumer Protection Laws

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 100

[Min. Pass Marks : 36/48]

Note : This question paper is divided into three Parts. Attempt all questions of Part-A, any three questions from Part-B and any three questions from Part-C. Parts A, B and C are of 10, 30 and 60 marks respectively.

यह प्रश्न-पत्र तीन भागों में बांटा गया है। भाग-अ के सभी प्रश्नों के, भाग-ब के किन्हीं तीन प्रश्नों के तथा भाग-स के किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग-अ, ब तथा स क्रमशः 10, 30 तथा 60 अंकों के हैं।

Part - A

(भाग - अ)

1. Fill in the blanks in the following:

निम्नलिखित में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:

- (i) Gloucester Grammar School case is related to the maxim

ग्लाउसेस्टर ग्रामर स्कूल का वाद सूत्र से सम्बन्धित है।

- (ii) cases are an exception to the application of the doctrine of *volenti non fit injuria*.

..... वाद वोलेन्टी नान फिट इनज्यूरिया के सिद्धान्त को लागू होने में एक अपवाद है।

- (iii) In the case of the Supreme Court of India propounded the rule of absolute liability.

..... के वाद में भारत के उच्चतम न्यायालय ने आपत्तिक दायित्व का नियम प्रतिपादन किया।

- (iv) Torsions liability arises from the breach of a duty.

अपकृत्यपूर्ण दायित्व कर्तव्य के भंग होने के कारण उत्पन्न होते हैं।

- (v) The principal is liable for the acts of his agent. This is called liability.

मालिक अपने अभिकर्ता के कार्यों के लिए दायी होता है। इसे

..... दायित्व कहते हैं।

- (vi) The Supreme Court may grant damages in its writ jurisdiction for tort.

उच्चतम न्यायालय अपने रिट क्षेत्राधिकार में
अपकृत्य के लिए नुकसानी दे सकता है।

- (vii) Donoghue vs. Stevenson is a leading case on

डोनोग बनाम स्टीवेन्सन पर एक अग्र
विनिश्चय है।

- (viii) Appeal against the order passed by the National Commission lies to

राष्ट्रीय आयोग के आदेश के विरुद्ध में अपील
की जा सकती है।

- (ix) Limitation period for filing a complaint under the Consumer Protection Act is years.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत परिवाद प्रस्तुत
करने की समय-सीमा वर्ष है।

- (x) The term deficiency has been defined under Section of the Consumer Protection Act,

1986.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा

के अन्तर्गत 'कमी' पद को परिभाषित किया गया है।

Part - B

(भाग - ब)

2 Define Tort. Can the same be a tort as well as a breach of Contract?

अपकृत्य को परिभाषित कीजिए। क्या एक ही कृत्य अपकृत्य एवं सविदा भंग हो सकते हैं?

3 What is the principle of strict liability? Whether this principle is still applicable in India?

कठोर दायित्व का सिद्धान्त क्या है? क्या भारत में यह सिद्धान्त अभी भी मान्य है?

4 Explain the maxim 'ubi jus ibi remedium'.

'जहाँ अधिकार है, वहाँ उपचार है' के मैक्सिम की व्याख्या कीजिए।

5 Discuss in brief the aims and objects of the Consumer Protection Act, 1986.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के उद्देश्यों का संक्षेप में वर्णन

National Commission under the Consumer Protection Act, 1986.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत राष्ट्रीय आयोग की संरचना, कार्य एवं क्षेत्राधिकार का वर्णन कीजिए।

11/ Write short notes on any two of the following:

- (a) Act of God
- (b) Absolute Liability
- (c) Trespass
- (d) Volenti non fit injuria.

निम्न में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:

- (अ) दैवीय कृत्य
- (ब) आत्यंतिक दायित्व
- (स) अतिचार
- (द) वोलेन्टी नान फिट इनज्यूरिया।

कीजिए।

6. Explain with the help of illustrations the term 'Consumer' and 'Service' under the Consumer Protection Act, 1986.

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में प्रयुक्त शब्दों 'उपभोक्ता' एवं 'सेवा' की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

Part - C

(भाग - स)

7. Define the tort of negligence. Explain its essential elements with the help of decided cases.

उपेक्षा के अपकृत्य को परिभाषित कीजिए। निर्णीत कदों की सहायता से इसके आवश्यक तत्वों की विवेचना कीजिए।

8. Discuss the scope of vicarious liability in tort as interpreted by the court in different cases and explain also the exceptions of vicarious liability.

प्रतिनिधिक दायित्व का न्यायालय द्वारा विभिन्न कदों में निर्द्वन के आधार पर क्षेत्र की विवेचना कीजिए और प्रतिनिधिक दायित्व में अपवादों की भी व्याख्या कीजिए।

9. Define defamation and point out defences available to a defendant in an action for defamation.

मानहानि की परिभाषा लिखिए और मानहानि की कार्यवाही में प्रतिवादी को उपलब्ध बचावों को इंगित कीजिए।

10. Discuss the composition, functions and jurisdiction of